भाषा

संस्कृत का एक शब्द भाष (धातु) है, इसी से भाषा शब्द की उत्पत्ति हुई है संस्कृत में लिखा है भाष वाक्तायाम वाचि अर्थात मनुष्य के द्वारा व्यक्त वाणी ही भाषा है |

भाषा की विशेषताएं –

1. भाषा ध्वनिमय है
2. भाषा परिवर्तनशील है
3. भाषा का सम्बन्ध मनुष्य से है
4. भाषा प्रतीकात्मक है
5. भाषा प्रगतिशील है
6. भाषा का सम्बन्ध संस्कृति यानी सभ्यता से है

भाषा की प्रकृति बहते हुए जल के सामान होती है, जिस प्रकार बहता हुआ जल जमीन के अनुरूप अपना रास्ता बना लेता है और बहता रहता है उसी प्रकार भाषा भी व्यक्ति, लोग, स्थान और वेशभूषा के अनुसार ढल जाती है |

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 650 बोलियां बोली जाती हैं, जब किसी बोली को व्याकरण के द्वारा सरल बना दिया जाता है उसे परिनिष्ठित भाषा बोली जाती है, जब बहुसंख्यक लोगो के द्वारा किसी भाषा को ग्रहण कर लिया जाता है तो जनसामान्य को ध्यान में रखते हुए उसे राष्ट्र भाषा का नाम दे दिया जाता है|

हिंदी - 13 वी शताब्दी में फ़ारसी कवि औफ़ी थे जिन्होंने इसे हिंदवी नाम दिया गया

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

था 16 वी और 17 वी शताब्दी मुसलमानी कवियों ने इसे हिंदी तथा हिंदवी नाम से पुकारा 18 वी शताब्दी में अंग्रेजों ने इसे हिंदुस्तानी संज्ञा दी परन्तु बहुसंख्यकों द्वारा इसे हिंदी के नाम से ही ग्रहण किया गया इस बात को ध्यान में रखते
हुए 14 सितंबर 1949 स्वंतंत्र भारत में इसे हमारे संविधान में स्थान दिया गया|

अपभ्रंश (अवहटठ) का पुरानी हिन्दी से सम्बन्ध

भारतीय आर्य भाषाएँ

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ

a. वैदिक संस्कृत - वेदव्यास

b. लौकिक संस्कृत - वाल्मीकि

2. मध्य भारतीय आर्य भाषाएँ - भारत तथा भारत के बाहर बोली जाने भाषाएँ - प्राकृत

3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ - अपभ्रंश

प्राकृत -

प्रथम प्राकृत - पाली

द्वितीय प्राकृत -प्राकृतें

तृतीय प्राकृत – अपभ्रंश

पाली - प्राकृत - अपभ्रंश - हिन्दी - हिन्दी के विकास का ये क्रम है

प्राकृत भाषा के रचनाकार और उनकी रचनाएँ -

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

महाकाव्य	रचनाकार
गउडवहो	वाक्पतिराज
सेतुबन्ध	प्रवरसेन
पउमचरिय	विमल सुरि

Visit on: - https://youtu.be/ZuwApD99YgM

#भाषा #अपभ्रंश

Sharing Is Caring
If you found it useful, don't forget to share your friends.

OBLYPREPS

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"